10.09.23

लुवास में पेटेंट धारक संकाय सदस्यों को किया सम्मानित

बीच हुए मुकाबले में जींद विजेता रहा। फतेहाबाद और मुकाबले में हिसार विजेता रहा। टीम विजेता रहा।

अमर उजाला 10.09.2023

पेटेंट दिलाने वाले लुवास के शोधकर्ताओं को कुलपति प्रो. विनोद कुमार ने किया सम्मानित

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन परिषद, मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशालय की ओर से चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग का जश्न पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। साथ ही पेटेंट दिलाने वाले लुवास के शोधकर्ताओं को सम्मानित किया।

बायोकेमिस्ट्री विभाग के पूर्व एचओडी डॉ. संदीप गेरा, डॉ. अनिर्बान, डॉ. अमन कुमार, डॉ. त्रिलोक नंदा, डॉ. विशाल शर्मा, डॉ. पंकज डॉ. ज्योति को सम्मानित किया गया। इन सभी ने अपने अनुभव भी साझा किए।

कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने सभी को चंद्रयान-3 की सफलता पर बधाई दी।

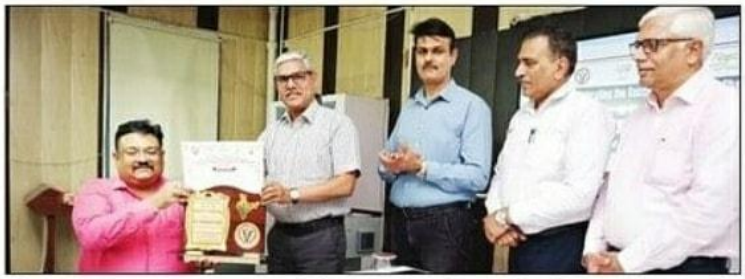

हिसार के लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा वैज्ञानिकों को सम्मानित करते हुए। स्रोत : विवि

कुल सात बौद्धिक संपदा अधिकार धारकों को सम्मानित किया। सम्मानित अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल ने कहा कि एक अच्छे विचार पर शोध करना, उसके लिए टीम का निर्माण करना और अंततः पेटेंट के रूप में सार्थक परिणाम प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से पेटेंट हासिल करने में लगने वाले समय की अवधि में कमी आई है।

दैनिक भास्कर

हिसार भास्कर 10-09-2023

संजीव कुमार आदि मौजूद रहे। नस्ल का एक कुत्ता व एक कर दी है।

चंद्रयान-3 की लैंडिंग को लेकर सेमिनार, 7 बौद्धिक संपदा अधिकार धारकों को किया गया सम्मानित

भास्कर न्यूज़ हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन परिषद, मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशालय द्वारा \'चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग का जश्न\' पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

कुलपति डा. विनोद कुमार वर्मा ने सभी को चंद्रयान-3 की सफलता पर बधाई दी और कुल सात बौद्धिक संपदा अधिकार धारकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धियां विश्वविधालय की काम करने का पैमाने को दर्शाती हैं। पेटेंट प्राप्त करने के लिए अनुसंधान का एक अनूठा बिंदू होना चाहिए और उसे पाने के लिए अनुसंधान के स्तर और दिशा को लक्षित होना अनिवार्य होता है।

सेमिनार में सम्मानित अतिथि डा. नरेश जिंदल, अनुसंधान निदेशक ने लुवास संकाय की उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि एक अच्छे विचार पर शोध करना, उसके लिए टीम का निर्माण करना और अंततः पेटेंट के रूप में सार्थक परिणाम प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षो से पेटेंट हासिल करने में लगने वाले समय की अवधि में कमी आई है।

लुवास इंस्टीट्यूशन इनोवेशन परिषद के अध्यक्ष व कुलसचिव डा. एसएस ढाका ने संस्थागत नवप्रवर्तन परिषद की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा पूर्व में भी व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा चुका है। इस अवसर पर बायोकेमिस्ट्री विभाग के पूर्व एचओडी, आईपीवीएस के पूर्व निदेशक और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डा. संदीप गेरा, डा. अनिर्बान, डा. विशाल शर्मा, डा. पंकज, पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डा. गुलशन नारंग, डा. रचना और डा. गौरव गुप्ता उपस्थित थे।

लुवास में वैज्ञानिक को सम्मानित करते वीसी डा. विनोद कुमार वर्मा।

हिसार टुडे 10.09.2023

लुवास में पेटेंट धारक संकाय सदस्यों को किया सम्मानित

हिसार टुडे। हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन परिषद, मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशालय द्वारा 'चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग का जश्न' पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य भारत की इस विश्व प्रसिद्ध उपलब्धि को याद करना और साथ ही शिक्षक दिवस को बनाते हुए लुवास के शोधकर्ताओं को सम्मानित करना था जिन्होंने अपने कार्यकाल में व वर्तमान में कार्य करते हुए लुवास को पेटेंट दिलवाए।

इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने सभी को चंद्रयान-3 की सफलता पर बधाई दी और कुल सात बौद्धिक संपदा अधिकार धारको को सम्मानित किया। डॉ. वर्मा ने सभी को बधाई देते हुए कहा की पेटेंट पाने वाले सदस्यों ने लुवास का मान सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धियां विश्वविधालय की काम करने का पैमाने को दर्शाती है। पेटेंट प्राप्त करने के लिए अनुसंधान का एक अनूठा बिंदु होना चाहिए और उसे पाने के लिए अनुसंधान के स्तर और दिशा को लक्षित होना अनिवार्य होता है। डॉ. वर्मा ने कहा कि बड़े सपने ही अक्सर बड़ी उपलब्धि की ओर ले जाते हैं, जिन्हें गहन अध्ययन से हासिल किया जा सकता है। विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए शोधकर्ताओं और छात्रों को सभी सुविधाएं प्रदान करने पर केंद्रित है, उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि विश्वविद्यालय में प्रतिबद्धता और अनुशासन से भरा माहौल रहे और टीम में कार्य करते हुए लुवास नए प्रोजेक्ट्स और उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए जाना जाए।

सेमिनार में सम्मानित अतिथि डॉ. नरेश जिंदल, अनुसंधान निदेशक ने लुवास संकाय की उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि एक अच्छे विचार पर शोध करना, उसके लिए टीम का निर्माण करना और अंततः पेटेंट के रूप में सार्थक परिणाम प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से पेटेंट हासिल करने में लगने वाले समय की अवधि में कमी आई है। उन्होंने सभी संकाय सदस्यों से कहा कि वह कोई भी प्रस्ताव लेकर आएं, टीम बनाएं और साथ मिलकर कार्य करे। डॉ. जिंदल ने कहा कि लुवास के कोई भी संकाय सदस्य अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर भी शोध कर सकते है इसमें विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेगा।

लुवास इंस्टीट्यूशन इनोवेशन परिषद के अध्यक्ष व कुलसचिव डॉ. एस. एस. ढाका ने संस्थागत नवप्रवर्तन परिषद की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा पूर्व में भी व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा चुका है और परिषद के गठन का मुख्य उद्देश्य छात्रों और संकायों को उद्यमिता में आगे आने और कुछ नवीन शोध करने के लिए प्रेरित करना है। इसी कड़ी में सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है इसमें उन सभी पेटेंट धारको को सम्मानित किया जायेगा, जिन्होंने एक वैध समस्या के समाधान के रूप में पेटेंट प्राप्त करके विश्वविद्यालय और राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। यह उपलब्धियां सक्षम मार्गदर्शन, निरंतर प्रयास और कौशल का परिचय देता है। निदान उपकरण विकसित करने से निश्चित रूप से किसानों की आय और अंततः देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी। अंत में उन्होंने सभी पेटेंट धारको को बधाई दी।

इस सेमिनार को तीन सत्रों में आयोजित किया जिसमे पहले सत्र में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग की विडियो को प्रदर्शित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने उस पल को फिर से याद किया, गर्वमानीत और उत्साहित महसूस किया। दुसरे सत्र में सभी पेटेंट/कॉपीराइट धारकों द्वारा प्रेरणादायक वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें सभी ने अपनी शोध से पेटेंट तक के रास्ता का विस्तृत व्याख्यान दिया और सेवानिवृत्त प्रोफेसरों द्वारा इस सफलता को हासिल करने के मंत्र भी साँझा किये गए। इनमें बायोकेमिस्ट्री विभाग के पूर्व एचओडी, आईपीवीएस के पूर्व निदेशक और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. संदीप गेरा ने निरंतर वैज्ञानिक प्रयास, ठोस सांख्यिकी विज्ञान और वैज्ञानिक डेटा संरक्षण को प्रमुख कारक के तौर पर प्रस्तुत किया। वही डॉ. अनिर्बान ने इस बात पर जोर दिया कि लुवास में उत्कृष्ट संकाय और एक अद्भुत पुस्तकालय उनके प्रयोगों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में बहुत मददगार रहे, जिसके परिणामस्वरूप उनकी खोजों को पेटेंट मिला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को अपनी थीसिस से कम से कम एक पेटेंट प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। डॉ. अमन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग, लुवास ने अपनी कहानी साझा की कि कैसे वह अपनी इस खोज के विचार तक पहुंचे और कैसे इससे पेटेंट के रूप में परिवर्तित किया। डॉ. त्रिलोक नंदा ने सलाह दी कि पदोन्नति के लिए अंक पूरे करने के लिए कार्य और कामकाज पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, यदि कोई अनुसंधान में निरंतर प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करता है, तो वह उच्च अनुसंधान लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम हो सकता है। डॉ. विशाल शर्मा और डॉ. पंकज ने अपने अनुसंधान के प्रमुख सलाहकारों को निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया, जिसके कारण उन्हें पेटेंट मिला। अंत में डॉ. ज्योति ने अपने कॉपीराइट के बारे में बताया जो होने किसानों के लिए तैयार किये गए प्रबंधन के प्रश्नों पर आधारित सांप सीढ़ी के खेल के लिए मिली।

सेमिनार के आखिरी सत्र में सेमिनार के अध्यक्ष व पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग ने दूध में अपने यूरिया डिटेक्शन किट के विकास और व्यवसायीकरण का वर्णन किया, और सुझाव दिया कि जब भी संभव हो, पेटेंट को व्यवसायीकरण के दूसरे स्तर पर ले जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिषद आईपीआर भरने में आने वाली बाधाओं को दूर करने और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने में कुशलतापूर्वक काम कर रही है। विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित करना सदैव उत्साहवर्धक होता है और सभी सम्मानित सदस्यों को बधाई दी। सेमिनार के सह अध्यक्ष डॉ. नरेश कक्कड़ ने संकाय सदस्यों को पेटेंट के व्यावसायीकरण पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध किया और साथ ही विश्विधालय के सभी संकाय सदस्यों को अपनी शोध का पेटेंट दाखिल करने के लिए आगे आने को कहा। सेमिनार का समापन डेयरी साइंसेज कॉलेज की डॉ. रचना द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। सेमिनार में लुवास के इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैरा वेटेरिनरी साइंस के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व् संकाय सदस्य मोजूद रहे भी मोजूद रहे। सेमिनार का कुशल संयोजक डॉ. गौरव गुप्ता ने किया।

पंजाब केसरी 10.09.2023

लुवास में पेटैंट धारक संकाय सदस्यों को किया सम्मानित

हिसार, 9 सितम्बर (राठी): लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन परिषद, मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशालय द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग का जश्न पर एक दिवसीय सैमीनार का आयोजन किया गया।

सैमीनार का उद्देश्य भारत की इस विश्व प्रसिद्ध उपलब्धि को याद करना और साथ ही शिक्षक दिवस को बनाते हुए लुवास के शोधकर्त्ताओं को सम्मानित करना था, जिन्होंने अपने कार्यकाल में व वर्तमान में कार्य करते हुए लुवास को पेटैंट दिलवाए।

इस अवसर पर कुलपति डा. विनोद कुमार वर्मा ने सभी को चंद्रयान-3 की सफलता पर बधाई दी और कुल सात बौद्धिक संपदा अधिकार धारकों को सम्मानित किया। डॉ. वर्मा ने कहा कि पेटैंट पाने वाले सदस्यों ने लुवास का मान-सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धियां विश्वविधालय की काम करने का पैमाने को दर्शाती है।